

No. of Printed Pages: 2

873954

2024

निबंध



(Essay)

निर्धारित समय : 3 घण्टे/

[पूर्णांक : 150

Time allowed: 3 Hours]

[Maximum Marks: 150

नोट: इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड (अ, ब एवं स) हैं। प्रत्येक खण्ड से एक विषय का चयन करते हुए, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में 700-800 शब्दों में निबन्ध लिखिए। प्रत्येक निबन्ध के लिए 50 अंक हैं।

Note: This question paper consists of three Sections - 'A', 'B' and 'C'. Write an essay in about 700-800 words on any one of the following topics from each Section in Hindi OR English language. Each essay carries 50 marks.

खण्ड – अ / Section – A

- साहित्य, समाज व संस्कृति का अन्तर्सम्बन्ध
 Interrelationship of literature, society and culture
- 2. एक बहुसांस्कृतिक समाज में सामाजिक समरसताः चुनौतियाँ एवं समाधान Social Harmony in a Multicultural Society : Challenges and Solutions
- 3. भारत की विदेश नीति की प्रवृत्तियाँ : परिवर्तन एवं निरंतरता

 Trends in India's foreign policy : Continuity and Change
- 4. उद्योग एवं व्यापार : बढ़ते भारत की आर्थिक सामर्थ्य का आधार Industry & Trade : Basis of Economic Strength of Growing India

खण्ड - ब / Section - B

- जैवोपचारण की भूमिका

 Role of Bioremediation
- 2. भारत एक उभरती वैश्विक शक्ति : सीमाएँ एवं सम्भावनाएँ India as a Rising World Power : Limitations and Prospects
- 3. बाढ़ संकट : कारण और प्रभाव

Flood Crisis: Causes and Effects

4. विकास योजनाओं एवं परियोजनाओं की सफलता में जनभागीदारी की भूमिका Role of People's Participation in the Success of Development Schemes and Projects

खण्ड – स / Section – C

- पर्यावरणीय अवक्रमण तथा उत्तराखण्ड की सामाजिक संरचना पर इसका प्रभाव
 Environmental degradation and its impact on the social structure of Uttarakhand
- 2. उत्तराखण्ड के लोकगीत Folk-songs of Uttarakhand
- 3. उत्तराखण्ड के विकास में पर्यटन योजनाओं की भूमिका Role of tourism schemes in the development of Uttarakhand
- 4. बाढ़ के एक दशक के बाद : क्या केदारनाथ सुरक्षित है ? A decade after the floods : Is Kedarnath safe ?
- 5. उत्तराखण्ड में ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका The role of self-help groups in the empowerment of the rural women of Uttarakhand